an>

Title: Need to take up the issue of reconstruction of Samadhi and Temple of Swami Adwaitanand Ji Maharaj 'Paramhans' in Teri village in Khyber Pakhtunkhwa's Karak district of Pakistan.

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल (महाराजगंज) ः श्री श्री 1008 श्री स्वामी अद्वैतानन्द जी महाराज ""परमहंस"" की समाधि एवं मंदिर पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वाह प्रांत के कारक जिला टेरी में स्थित है। लगभग 170 वर्ष पूर्व बिहार प्रदेश के छपरा के दहियांवा मुहल्ले के एक संत देश के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण कर अंत में पाकिस्तान के टेरी पहुंचे थे। वहीं पर विशेष लगाव के कारण इन्होंने अपना डेरा जमा लिया तथा वर्षों तक लोगों के बीच भक्ति का ज्ञान बांटते रहे और अंतिम समय में टेरी में ही समाधि ले ली। महाराज परमहंस जी के समाधि स्थल पर हिन्दू सप्रदाय के लोगों द्वारा एक हिन्दू मंदिर का भी निर्माण कराया गया। यह मंदिर 1997 तक यथावत रहा और इस पंथ के लाखों अनुयायी दर्शन व आशीष के लिए पहुंचते रहे थे। इसी वर्ष 1997 में मुस्लिम चरमपंथियों ने मंदिर व समाधि स्थल को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया और इस पर एक धार्मिक नेता द्वारा कब्जा कर लिया गया। बाद में हिन्दू सप्रदाय के लोगों द्वारा पाकिस्तान सर्वोच्च न्यायालय में हिन्दू मंदिरों को पहुंचाये जा रहे नुकसान के मामले में हस्तक्षेप की अपील की गई थी। इसी अपील पर पाकिस्तान सर्वोच्च न्यायालय ने प्रांतीय सरकार को प्रशासनिक देख-रेख में पुनः मंदिर निर्माण कराये जाने का आदेश पारित किया।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि उपरोक्त मामले को संज्ञान में लेते हुए इस संदर्भ में कार्यवाही किया जाना नितांत आवश्यक है ताकि इस महान संत के लाखों अनुयायियों की श्रद्धा बरकरार रहे और पाकिस्तान में हिन्दुओं का अस्तित्व बना रहे। सरकार से पुनः आग्रह है कि प्रशासनिक स्तर से शीघ्रताशीघ्र कार्यवाही करने का कष्ट करें ताकि पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को अमल में लाया जा सके।